

06/5/24

पत्तावली पेना ड्रक । अधिकतम वादी मय वादी अनुपास्वित ।  
रुके -रुके कर तीन -बार आगके फिलवाडि वरि । सगल  
सोत्र 5pm हो चुका हँ । अतः वादी मय अधिकतम वादी  
के अनुपास्वित रदने पर वादी का बाफ अदम दमरी । अदम  
पेरावी में रवारिज किला जाता हँ । पत्तावली फेरल सुमार  
हीतर नरकर से कर ही ।

त्रिणि रतुमे - तामरुप सुनाया वरि ।

